



बिहार स्टेट फूड एण्ड सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन, लि०

खाद्य भवन, दरोगा प्रसाद राय पथ, आर, ब्लॉक रोड नं०-२ पटना ८००००१

प्रत्रांक
प्रेषक,

१५७० / पटना, दिनांक- १२/९/१८

पंकज कुमार, भा० प्र० से०,
प्रबन्ध निदेशक।

सेवा में,

सभी जिला प्रबंधक,
बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम।

विषय:- क्षति/गबन के मामले में संबंधित कर्मियों के विरुद्ध तुरंत प्राथमिकी एवं नीलामपत्र वाद दायर करने के संबंध में।

प्रसंग:- निगम मुख्यालय का पत्रांक-४९०७, दिनांक-१७.०५.२०१८,

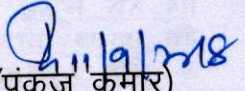
महोदय,

उपर्युक्त विषयक, प्रसंगाधीन पत्र का अवलोकन किया जाय जिसमें गोदामों में खाद्यान्न की क्षति/गबन के संबंध में निगम कर्मियों के विरुद्ध असमायोजित अग्रिम राशि का आकलन कर उसकी वसूली का कार्रवाई कर्मियों के सेवा निवृत्त होने के ३ माह पूर्व करने का निदेश दिया गया था, परन्तु इस संबंध में अबतक कोई कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई है।

अतः पुनः निदेश दिया जाता है कि निगम कर्मियों के विरुद्ध क्षति/गबन, ब्याज एवं असमायोजित अग्रिम राशि का आकलन कर इसकी वसूली की कार्रवाई संबंधित कर्मियों के सेवानिवृत्ति के ३ माह पूर्व संसूचित किया जाय। अन्यथा इसकी सारी जवाबदेही संबंधित जिला प्रबंधक की होगी।

अनुलम्बक यथोक्त।

विश्वासभाजन,


(पंकज कुमार)
प्रबंध निदेशक।



बिहार स्टेट फूड एण्ड सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन, लि०
"खाद्य भवन", दारोगा राय पथ, आर० ब्लॉक, रोड नं०-२, पटना-८००००१

पत्रांक:-
प्रेषक,

०६:०१:५१:०१:२०१६-४९०७

दावा/दिनांक : १७/५/१८

सेवा में,

पंकज कुमार, भा० प्र० से०,
प्रबंध निदेशक।

सभी जिला प्रबंधक,
राज्य खाद्य निगम,
बिहार।

विषय:-

निगम निदेशक पद की हुई ११०वीं एवं १३२वीं बैठक में लिए गये निर्णयानुसार खाद्यान्न का क्षति/गबन की राशि एवं ब्याज का आंकलन कर वसूली की कार्रवाई करने के संबंध में।

प्रसंग:-

मुख्यालय पत्रांक-३६९६ दिनांक-२९.०६.२०००, ७५८९ दिनांक-
१२.१२.२००१, ५०१५ दिनांक-११.०८.२००१, ६२२० दिनांक-
१७.०९.२००२, ४७०६ दिनांक-३०.०७.२००३, २५१५ दिनांक-
०५.०४.२००४, २८६२ दिनांक-२४.०४.२००४, ९५६ दिनांक-१५.०२.२००७,
९४४२ दिनांक-०३.११.२००९, ७२१८ दिनांक-१०.०८.२०१०, २२६९
दिनांक-०५.०३.२०१३ एवं ज्ञापांक-०३/गो० दिनांक-३०.०३.२०१३

महाशय,

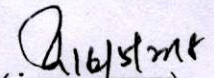
प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि निगम गोदामों में काफी मात्रा में खाद्यान्न की क्षति/गबन रहने के बावजूद भी निगम कार्मिकों के विरुद्ध क्षति/गबन, ब्याज एवं असमायोजित अग्रिम राशि का आंकलन एवं इसकी वसूली की कार्रवाई संबंधित कर्मों के सेवा काल में जिला प्रबंधकों द्वारा नहीं किया जाता है, जबकि एतत्संबंधी प्रासंगिक पत्रों द्वारा जिला प्रबंधकों को निदेशित किया गया है। प्रायः सेवा निवृत्ति के पश्चात संबंधित कर्मों के विरुद्ध क्षति/गबन एवं असमायोजित अग्रिम की राशि वसूली हेतु जिला प्रबंधकों द्वारा मुख्यालय प्रतिवेदित किया जाता है, इसके फलस्वरूप संबंधित कर्मों को देय सेवान्त लाभ के भुगतान में अनावश्यक विलम्ब हो जाता करता है और संबंधित कर्मों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में याचिकाएँ दायर कर दी जाती है। सेवा निवृत्ति के पश्चात् वसूलनीय राशि प्रतिवेदित होने के कारण माननीय उच्च न्यायालय द्वारा इसे अमान्य कर दिया जाता है।

प्रासंगिक पत्रांक-२२६९ दिनांक-०५.०३.२०१३ द्वारा पूर्व में ही स्पष्ट निदेश दिया जा चुका है कि आप अपने अधिनस्थ सभी श्रेणी के कार्मिकों को यह निदेशित करें, कि वे सेवा निवृत्त होने के तीन माह पूर्व अपने पदस्थापित सभी जिला से पूर्ण पदस्थापन काल का क्षति/गबन एवं अन्य प्रकार की वसूलनीय राशि एवं उसके विरुद्ध हुई वसूली की वर्षवार विवरणी प्राप्त कर अनापत्ति प्रमाण पत्र दावा शाखा निगम मुख्यालय को समर्पित करें, ताकि मुख्यालय स्तर से जाँचोपरांत वसूलनीय राशि का आंकलन उनके सेवा निवृत्ति के पूर्व की जा सके तथा उन्हें ससमय सेवान्त लाभ का भुगतान किया जा सके। इसमें यह भी स्पष्ट किया गया है कि सेवा निवृत्ति के तीन माह पूर्व अनापत्ति प्रमाण पत्र दावा शाखा को उपलब्ध नहीं कराने एवं इसके कारण सेवान्त लाभ के राशि के भुगतान में विलम्ब होने के लिए संबंधित जिला प्रबंधक एवं सेवा निवृत्त होने वाले कार्मिक दोनों जिम्मेवार होंगे।

अतः निदेश है कि निगम कर्मियों के विरुद्ध उनके सेवाकाल में ही गोदाम का प्रभार के आदान-प्रदान के समय तथा समय-समय पर गोदामों का निरीक्षण एवं गोदाम अभिलेखों की जाँच कर क्षति/गबन एवं असमायोजित अग्रिम की वसूलनीय राशि का आंकलन करते हुए प्रासंगिक पत्रों में वर्णित निदेश के अनुसार सूद सहित इसकी वसूली की कार्रवाई कार्मिकों को भुगतान राशि यथा वेतन, सेवान्त लाभ इत्यादि से की जाय एवं आवश्यक होने पर इस हेतु प्राथमिकी एवं नीलामपत्रवाद दायर करना सुनिश्चित करें, साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि गोदाम अभिलेखों में किसी प्रकार का छेड़-छाड़ न हो। कार्मिकों का स्थानान्तरण होने पर उनके विरुद्ध वसूलनीय राशि की सूचना स्वरूप से उनके अन्तिम वेतन प्रमाण पत्र (LPC) में भी अंकित करना सुनिश्चित करें, ताकि राशि की वसूली स्थानान्तरित जिला में हो सके।

अनुलग्नक:- यथा प्रासंगिक सभी पत्रों की प्रतियाँ।

विश्वासभाजन


(पंकज कुमार)
प्रबंध निदेशक।